दिनांक 03.12.2018

स्वच्छ भारत अभियान स्वच्छ एवं सुदर भिलाई

'स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय के स्वच्छ सर्वेक्षण की कार्यशाला में भिलाई निगम आयुक्त एस0के0 सुंदरानी हुए सम्मिलित'

भिलाईनगर/स्वच्छ सर्वेक्षण 2019 के लिए निगम भिलाई सतत् प्रयास कर रहा है इसी कड़ी में आज स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय हुडको जो कि जोन क्रमांक 01 क्षेत्रान्तर्गत आता है में स्वच्छ सर्वेक्षण की कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक, रंगोली आदि के माध्यम से स्वच्छता के प्रति स्वयं की जिम्मेदारी को बताने का प्रयास किया गया।

आयुक्त सुंदरानी द्वारा जीरो वेस्ट करने पर प्रकाश डाला गया। आयुक्त महोदय ने कहा कि घर से निकलने वाले सूखा कचरा को रिसाईकिल करने के लिए बेचा जा सकता है क्योंकि यह एक ऐसा कचरा है जिसे हम रिसाईकल करके निदान कर सकते हैं या फिर हम सूखे कचरे से कुछ ऐसे कलाकृति बनाएं जो कि हमारे दैनिक जीवन के उपयोग में लाया जा सके।

गीला कचरा पर आयुक्त महोदय ने कहा कि गीला कचरा प्रतिदिन निकलता है जिसे हम घर में ही कंपोस्ट पिट बनाकर उसमें प्रतिदिन गीले कचरे को डालते जाएं जो कि एक दिन खाद का स्वरूप ले लेता है जिसे हम गमलों, फूल-पौधों, सब्जियों में उपयोग कर सकते हैं इस प्रकार हमारे घर से जब कचरा ही नहीं निकलेगा तो निश्चित रूप से शहर स्वच्छ रहेगा, इस प्रकार छोटे-छोटे निर्णय लेकर हम एक बड़ा परिवर्तन कर सकते हैं।

आयुक्त सुंदरानी ने कहा कि पहले और आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में कंपोस्ट खाद बनाने के लिए गड्ढे खोदकर उसमें खाद तैयार करते थे जिसे घुरुवा का नाम से जानते हैं जिसे हमें अब शहर में अपनाना होगा इस घुरुवा प्रक्रिया को शहर में पुनर्जीवित करना होगा। जिनके पास जगह की कमी हो वह मटका पद्धति या गमलों में गीले कचरों को डालकर खाद तैयार कर सकते है।

गीले कचरे जो कि यदि पशु के खाने योग्य है उसे पशु आहार के रूप में दिए जाने से भी गीले कचरे का निपटान किया जा सकता है। आयुक्त एस0के0 सुंदरानी ने कहा कि आप सभी स्वच्छता में योगदान दें एवं स्वच्छता एप डाउनलोड कर स्वच्छता एप के माध्यम से गंदगी से निजात पाएं।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राजेश पांडे द्वारा कहा गया कि शिक्षा एक बहुत बड़ा कारण है जो कि स्वच्छता के प्रति लोगों की सोच को प्रदर्शित करता है स्वच्छता के प्रति शिक्षा लाना एक बहुत बड़ी चुनौती है।

जन सम्पर्क अधिकारी